इकाई 6

विज्ञान एवं तकनीकी

आज विज्ञान व तकनीकी हमारे जीवन के अभिन्न अंग बन चुके हैं। पिछली एक सदी में इंसान ने विज्ञान के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज हम अपनी दुनिया को पहले की तुलना में बेहतर रूप से जानते, समझते हैं। इसके साथ ही विज्ञान व तकनीकी ने हमारे जीवन को भी सुविधा–संपन्न बनाया है, जैसे– स्वास्थ्य, यातायात व संचार की सुविधाएँ। ऐसे में विज्ञान को इंसान के लिए वरदान की तरह देखा जा सकता है, लेकिन सुविधाओं के साथ कई समस्याएँ भी विज्ञान से हमारे जीवन में आई हैं। जैसे– तनाव, अवसाद व नई बीमारियाँ। विज्ञान व तकनीकी के इन्हीं दोनों पहलुओं को समझने का अवसर आपको इस इकाई में मिलेगा। साथ ही विज्ञान व तकनीकी के क्षेत्र की विशिष्ट वैज्ञानिक व पारिभाषिक शब्दावली युक्त भाषा से भी आपका परिचय होगा।

इस इकाई में कुल तीन अध्याय शामिल किए गए हैं। **डॉ. सी. वी. रमन** के संक्षिप्त जीवनवृत्त में आप देखेंगे कि सीमित संसाधनों में भी महानतम कार्य किए जा सकते हैं। अपने आसपास घटने वाली घटनाओं के प्रति जिज्ञासा व उनका गहराई से अवलोकन, विश्लेषण करना वैज्ञानिकता की आवश्यक शर्त है।

सुदिप्ता घोष का लेख **प्लास्टिक : कल का खतरा, आज ही जागें** हमें प्लास्टिक के उपयोग व उससे उपजे खतरों से अवगत कराता है। आज हम अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक से घिरे हुए हैं। पग–पग पर हमें प्लास्टिक की जरूरत पड़ती है। लेकिन फायदों के साथ ही यह सेहत व पर्यावरण के लिए घातक बन गया है।

चर्चित वैज्ञानिक एवं राष्ट्र के 11वें राष्ट्रपति **डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** के विचारों पर आधारित इस लेख में डॉ. कलाम द्वारा राष्ट्र को अपनी क्षमताओं के पहचानने की प्रक्रिया को रेखांकित किया गया है जिससे कि विकसित भारत स्वप्न के रूप में न होकर एक विकसित देश की वास्तविकता के स्वरूप में हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन सके।